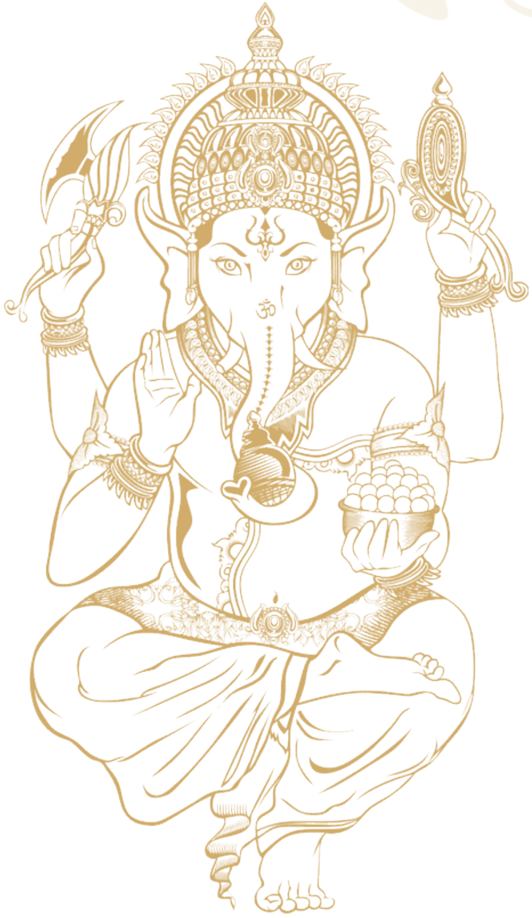

Mr.

19 Nov 1986

05:25 AM

Thane

Model: web-freekundliweb

Order No: 121626202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/11/1986**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:25:00 घंटे**
इष्ट	56:33:48 घटी
स्थान	**Thane**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	19:12:00 उत्तर
रेखांश	72:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:46:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:55 घंटे
साम्पातिक काल	08:37:47 घंटे
सूर्योदय	06:47:28 घंटे
सूर्यास्त	17:59:02 घंटे
दिनमान	11:11:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	02:40:35 वृश्चिक
लग्न के अंश	13:11:55 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	वणिज
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वो-वोमेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:11:55	329:46:29	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	02:40:35	01:00:31	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			वृष	29:58:28	11:52:59	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	01:33:53	00:39:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
बुध	व		तुला	20:30:14	00:39:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	19:29:18	00:02:10	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
शुक्र	व		तुला	12:16:15	00:17:37	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चि	16:41:13	00:06:58	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	26:43:03	00:07:09	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	26:43:03	00:07:09	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	27:21:25	00:03:24	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
नेप			धनु	10:28:15	00:01:53	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	14:22:48	00:02:20	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कर्क	13:22:19	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:19

लग्न-चलित

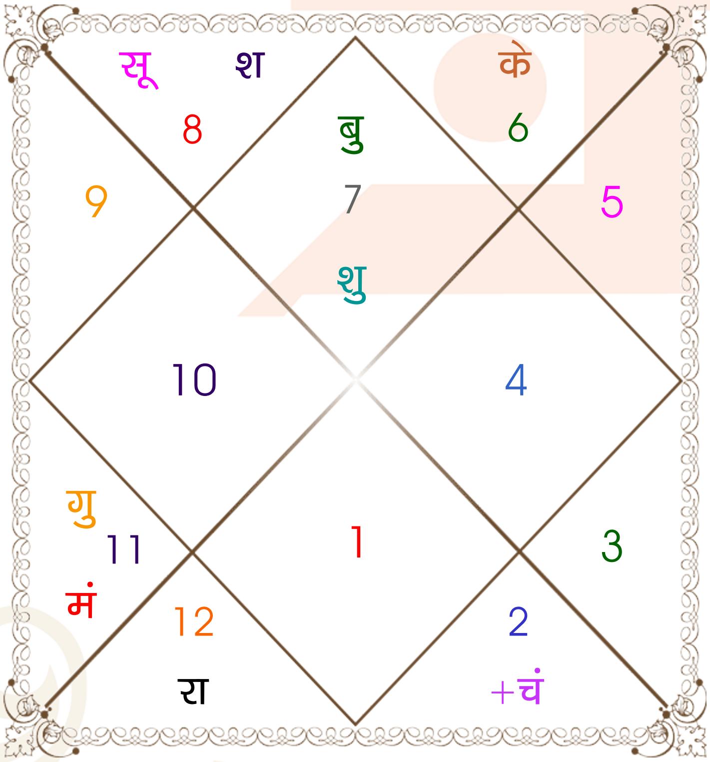

चन्द्र कुंडली

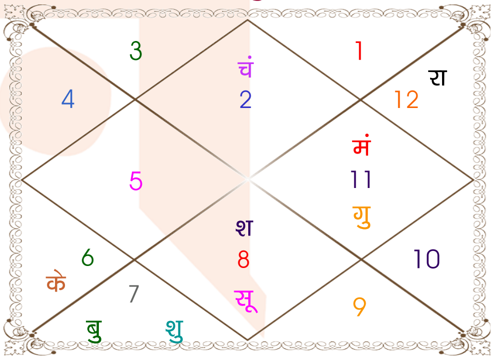

नवमांश कुंडली

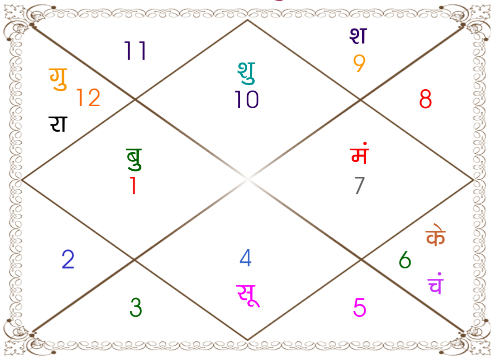

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 6 मास 4 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/11/1986		25/05/1990		25/05/2008		25/05/2024		25/05/2043	
25/05/1990		25/05/2008		25/05/2024		25/05/2043		25/05/2060	
	00/00/0000	राहु	04/02/1993	गुरु	13/07/2010	शनि	28/05/2027	बुध	21/10/2045
	00/00/0000	गुरु	01/07/1995	शनि	23/01/2013	बुध	04/02/2030	केतु	18/10/2046
	19/11/1986	शनि	07/05/1998	बुध	01/05/2015	केतु	16/03/2031	शुक्र	18/08/2049
शनि	24/11/1986	बुध	23/11/2000	केतु	06/04/2016	शुक्र	16/05/2034	सूर्य	24/06/2050
बुध	21/11/1987	केतु	12/12/2001	शुक्र	06/12/2018	सूर्य	28/04/2035	चंद्र	24/11/2051
केतु	18/04/1988	शुक्र	11/12/2004	सूर्य	24/09/2019	चंद्र	26/11/2036	मंगल	20/11/2052
शुक्र	18/06/1989	सूर्य	05/11/2005	चंद्र	23/01/2021	मंगल	05/01/2038	राहु	09/06/2055
सूर्य	24/10/1989	चंद्र	07/05/2007	मंगल	30/12/2021	राहु	11/11/2040	गुरु	14/09/2057
चंद्र	25/05/1990	मंगल	25/05/2008	राहु	25/05/2024	गुरु	25/05/2043	शनि	25/05/2060

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/05/2060		25/05/2067		25/05/2087		25/05/2093		26/05/2103	
25/05/2067		25/05/2087		25/05/2093		26/05/2103		00/00/0000	
केतु	21/10/2060	शुक्र	24/09/2070	सूर्य	12/09/2087	चंद्र	25/03/2094	मंगल	22/10/2103
शुक्र	21/12/2061	सूर्य	24/09/2071	चंद्र	12/03/2088	मंगल	24/10/2094	राहु	09/11/2104
सूर्य	28/04/2062	चंद्र	25/05/2073	मंगल	18/07/2088	राहु	24/04/2096	गुरु	16/10/2105
चंद्र	27/11/2062	मंगल	25/07/2074	राहु	12/06/2089	गुरु	24/08/2097	शनि	20/11/2106
मंगल	25/04/2063	राहु	25/07/2077	गुरु	31/03/2090	शनि	25/03/2099		00/00/0000
राहु	12/05/2064	गुरु	25/03/2080	शनि	13/03/2091	बुध	25/08/2100		00/00/0000
गुरु	18/04/2065	शनि	25/05/2083	बुध	18/01/2092	केतु	26/03/2101		00/00/0000
शनि	28/05/2066	बुध	25/03/2086	केतु	25/05/2092	शुक्र	25/11/2102		00/00/0000
बुध	25/05/2067	केतु	25/05/2087	शुक्र	25/05/2093	सूर्य	26/05/2103		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 6 मा 6 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।